



**HEMCHANDRACHARYA NORTH GUJARAT UNIVERSITY, PATAN**

**PROGRAMME: MASTER OF ARTS (M.A.)**

**SEMESTER SYSTEM**

**PROGRAMME CODE: HNGU2012**

**AS PER THE NEW GUIDELINES FROM THE UNIVERSITY**

**(WITH EFFECT FROM JUNE-2020-21)**



  
I/c. Registrar  
Hemchandracharya  
North Gujarat University  
PATAN

**CORE COURSE**

# ક્રમિક



*Hemchandracharya*  
I/c. Registrar  
Hemchandracharya  
North Gujarat University  
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र (सेमेस्टर पद्धति )

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित )

एम. ए. हिन्दी प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -101 ' आधुनिक हिन्दी कथा-साहित्य '

पुस्तकें : १. ' ठीकरे की मंगनी '(उपन्यास ) - नासिरा शर्मा , किताबघर प्रकाशन ,दिल्ली ।

२. ' भीष्म साहनी की प्रतिनिधि कहानियाँ ' , राजकमल प्रकाशन , दिल्ली ।

३. ' क्या भूलु क्या याद करूँ ' (आत्मकथा ) - हरिवंशराय बच्चन ,  
राजपाल एण्ड सन्स , नई दिल्ली ।

यूनिट - १. उपर्युक्त उपन्यास , कहानी-संग्रह और आत्मकथा में से ससंदर्भ व्याख्या ।

यूनिट - २. ' ठीकरे की मंगनी ' उपन्यास का तात्त्विक विवेचन :

कथा-विन्यास , पात्र-सृष्टि , संवाद , देशकाल और वातावरण , भाषा-शैली , उद्देश्य  
| शीर्षक की सार्थकता , उपन्यास में निरूपित युगबोध या समस्याएँ ।

यूनिट - ३. भीष्म साहनी की प्रतिनिधि कहानियों का तात्त्विक विवेचन तथा भीष्म साहनी की  
कहानीकार के रूप में विशेषताएँ ।

यूनिट - ४. ' क्या भूलु क्या याद करूँ ' आत्मकथा का मूल्यांकन । हरिवंशराय बच्चन की  
आत्मकथाकार के रूप में विशेषताएँ ।

❖ प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ ससंदर्भ व्याख्या (उपर्युक्त उपन्यास , कहानी-संग्रह और आत्मकथा में से )

(क) अथवा (क) , (ख) अथवा (ख) | अंक : १४



प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घतरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घतरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घतरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४

प्रश्न - ५ उपन्यास , कहानी-संग्रह और आत्मकथा में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी  
 , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी । अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. उपन्यासकार नासिरा शर्मा - सामयिक प्रकाशन , नई दिल्ली ।
२. महिला उपन्यासकारों की रचनाओं में बदलते सामाजिक संदर्भ - शील प्रभा वर्मा ,  
विद्याविहार प्रकाशन , कानपुर ।
३. मुस्लिम उपन्यासकार : परिवेश और उपन्यास - वाङ्मय प्रकाशन , अलीगढ़ ।
४. कथाकार भीष्म साहनी - डॉ. कृष्णा पटेल , चिन्तन प्रकाशन , कानपुर ।
५. भीष्म साहनी : व्यक्ति और रचना - राजेश्वर सक्सेना , प्रताप ठाकुर , वाणी  
प्रकाशन , दिल्ली ।
६. आत्मकथा साहित्य : सिद्धान्त और समीक्षा - डॉ. आनंद सिंहल , अमन प्रकाशन ,  
कानपुर ।
७. हिन्दी आत्मकथा - स्वरूप एवं सिद्धान्त - डॉ. कमलेश सिंह , अमन प्रकाशन ,  
कानपुर ।

\*\*\*\*\*



हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित )

एम. ए. हिन्दी प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -102 ' मध्ययुगीन हिन्दी काव्य '

पुस्तकें : १. ' रामचरितमानस ' का अयोध्याकाण्ड - तुलसीदास , लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद ।

२. ' भ्रमरगीतसार ' - सूरदास , संपादक : आ. रामचन्द्र शुक्ल , जय भारती प्रकाशन , इलाहाबाद ।

यूनिट - १. उपर्युक्त काव्य-ग्रन्थों में से ससंदर्भ व्याख्या ।

यूनिट - २. अयोध्याकाण्ड का कथा-विन्यास , राम का चरित्र , अयोध्याकाण्ड के मार्मिक प्रसंग , अयोध्याकाण्ड का काव्य-सौंदर्य तथा भाव-सौंदर्य ।

यूनिट - ३. भ्रमरगीत काव्य-परंपरा , सूरदास के भ्रमरगीत की उत्कृष्टता (विशेषताएँ) , गोपियों की वाग्विदग्धता , विरह-वर्णन , भ्रमरगीत में भावानुभूति ।

यूनिट - ४. कवि विशेष : १. तुलसीदास की भक्ति-भावना , तुलसीदास की समन्वयवादी विचारधारा , सुधारक और लोकनायक तुलसीदास । २. सूरदास की भक्ति-भावना , सूरदास में नारी के हृदय की परख-शक्ति , सूरदास की प्रेम-व्यंजना , सूरदास की भाषा ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ ससंदर्भ व्याख्या ( अयोध्याकाण्ड और ' भ्रमरगीतसार ' में से ) ।

(क) अथवा (क) , (ख) अथवा (ख) । अंक : १४

हिन्दी अभ्यास समिति , हेम. उ. गुज. युनि. पाटण



  
I/c. Registrar  
Hemchandracharya  
North Gujarat University  
PATAN

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घातरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घातरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घातरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४

प्रश्न - ५ यूनिट २ , ३ , ४ में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. सूरदास - आ. रामचन्द्र शुक्ल , सरस्वती मंदिर , वाराणसी ।
२. सूर मीमांसा - डॉ. व्रजेश्वर शर्मा , ओरिएंटल बुक , दिल्ली ।
३. सूर -साहित्य - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी , राजकमल प्रकाशन , दिल्ली ।
४. भ्रमरगीत का काव्य-सौंदर्य - डॉ. सत्येन्द्र पारीक , सुशील प्रकाशन , अजमेर ।
५. सूर की काव्य-साधना - डॉ. नरेन्द्रसिंह परैजदार , गिरनार प्रकाशन , मेहसाणा ।
६. गोस्वामी तुलसीदास - आ. रामचन्द्र शुक्ल , प्रकाशन संस्थान , नई दिल्ली ।
७. तुलसी (आलोचना) - संपादक - उदयभानु सिंह , राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली ।
८. मध्यकालीन हिन्दी काव्य और कवि - डॉ. सुरेशचन्द्र ' निर्मल ' ।

\*\*\*\*\*



हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र (सेमेस्टर पद्धति )

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित )

एम. ए. हिन्दी प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -103 'भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त '

यूनिट - १. काव्य की परिभाषा , काव्य के लक्षण , काव्य के हेतु , काव्य-प्रयोजन , काव्य के प्रकार |

यूनिट - २. रस-सिद्धान्त : रस का स्वरूप , रस-निष्पत्ति , रस के अंग , साधारणीकरण , सहृदय की अवधारणा |

अलंकार सिद्धान्त : अलंकार सिद्धान्त की मूल स्थापनाएँ , अलंकारों का वर्गीकरण |

यूनिट - ३. रीति सिद्धान्त : रीति की अवधारणा , काव्य-गुण , रीति एवं शैली , रीति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ |

ध्वनि सिद्धान्त : ध्वनि का रूप , ध्वनि सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ , ध्वनि काव्य के प्रकार - उत्तम काव्य , गुणीभूत व्यंग्य काव्य , चित्र काव्य |

औचित्य सिद्धान्त : औचित्य सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ , औचित्य के भेद

यूनिट - ४. हिन्दी कवि आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिंतन : लक्षण काव्य परम्परा एवं कवि लक्षण , केशवदास का आचार्यत्व और उसका वैशिष्ट्य , लक्षण काव्य परम्परा में चिंतामणि त्रिपाठी का योगदान |

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घात्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घात्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

हिन्दी अभ्यास समिति , हेम. उ. गुज. युनि. पाटण



I/c. Registrar  
Hemchandracharya  
North Gujarat University  
PATAN



प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४

प्रश्न - ५ प्रत्येक यूनिट में से एक-एक करके कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी ,  
जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा - डॉ. नगेन्द्र , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , दिल्ली ।
२. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , दिल्ली ।
३. रस सिद्धान्त - डॉ. नगेन्द्र , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , दिल्ली  
|
४. काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी ।
५. रस सिद्धान्त : स्वरूप एवं विश्लेषण - डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित , राजकमल  
प्रकाशन , दिल्ली ।
६. भारतीय समीक्षा सिद्धान्त - डॉ. सूर्यनारायण द्विवेदी , संजय बुक सेन्टर ,वाराणसी  
|
७. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. ज्ञानराज काशीनाथ गायकवाड , क्वालिटी बुक्स ,कानपुर ।

\*\*\*\*\*



हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित )

एम. ए. हिन्दी प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -104 ' नाटककार मोहन राकेश '

पुस्तकें : १. ' आषाढ़ का एक दिन ' - राजकमल प्रकाशन , दिल्ली ।

२. ' लहरों के राजहंस ' - राजकमल प्रकाशन , दिल्ली ।

३. ' आधे-अधूरे ' - राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली ।

यूनिट - १. उपर्युक्त नाटकों में से ससंदर्भ व्याख्या ।

यूनिट - २. ' आषाढ़ का एक दिन ' नाटक का तात्त्विक विवेचन :

कथा-विन्यास , पात्र-सृष्टि , संवाद , रंगमंचीयता , भाषा-शैली | शीर्षक की  
सार्थकता , प्रमुख चरित्र - कालिदास , मल्लिका , गौण पात्र - अम्बिका , विलोम  
आदि ।

यूनिट - ३. ' लहरों के राजहंस ' नाटक का तात्त्विक विवेचन :

कथा-विन्यास , पात्र-सृष्टि , संवाद , रंगमंचीयता , भाषा-शैली | शीर्षक की  
सार्थकता , प्रमुख चरित्र - नन्द , सुंदरी , गौण पात्र - ।

यूनिट - ४. ' आधे-अधूरे ' नाटक का तात्त्विक विवेचन :

कथा-विन्यास , पात्र-सृष्टि , संवाद , रंगमंचीयता , भाषा-शैली | शीर्षक की  
सार्थकता , प्रमुख चरित्र - महेन्द्रनाथ , सावित्री | गौण पात्र - मनोज , बिन्नी ,  
सिंघानिया , जुनेजा , अशोक आदि ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप :



हिन्दी अभ्यास समिति , हेम. उ. गुज. युनि. पाटण

  
I/c. Registrar  
Hemchandracharya  
North Gujarat University  
PATAN

प्रश्न - १ ससंदर्भ व्याख्या (उपर्युक्त उपन्यास , कहानी-संग्रह और आत्मकथा में से )

(क) अथवा (क) , (ख) अथवा (ख) | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घातरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घातरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घातरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ उपन्यास , कहानी-संग्रह और आत्मकथा में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी  
, जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. मोहन राकेश : रंग-शिल्प और प्रदर्शन - डॉ. जयदेव तनेजा , राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली |
२. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी रंगमंच - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा , अतुल प्रकाशन , कानपुर |
३. नाटककार मोहन राकेश - डॉ. सुषमा अग्रवाल , पंचशील प्रकाशन , जयपुर |
४. आज का हिन्दी नाटक : प्रगति और प्रभाव - डॉ. दशरथ ओझा , राजपाल एंड सन्स , दिल्ली |
५. समकालीन हिन्दी नाटककार - गिरीश रस्तोगी , इंद्रप्रस्थ प्रकाशन , दिल्ली |
६. समकालीन हिन्दी नाटककार और रंगमंच - डॉ. जयदेव तनेजा , तक्षशिला प्रकाशन |



हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित )

एम. ए. हिन्दी प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र : ID- 105 C ' विशिष्ट साहित्यकार : प्रेमचन्द '

पुस्तकें - १ ' गोदान ' (उपन्यास) - प्रेमचन्द , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली ।

२ प्रेमचन्द - प्रतिनिधि कहानियाँ , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली ।

(ईदगाह , पूस की रात , सवा सेर गेहूँ , शतरंज के खिलाड़ी , ठाकुर का कुँआ ,  
सद्गति , कफन )

यूनिट - १ उपन्यास और कहानी-संग्रह में से ससंदर्भ व्याख्या ।

यूनिट - २ प्रेमचन्द का जीवन और व्यक्तित्व , युग-प्रवर्तक साहित्यकार - प्रेमचन्द ,  
उपन्यासकार प्रेमचन्द , कहानीकार के रूप में प्रेमचन्द की विशेषताएँ ।

यूनिट - ३ ' गोदान ' उपन्यास का तात्त्विक विवेचन , होरी - भारतीय कृषक का प्रतिनिधि  
, ' गोदान ' में निरूपित कृषक-जीवन की समस्याएँ , ' गोदान ' शीर्षक की  
सार्थकता ।

यूनिट - ४ प्रेमचन्द की उपर्युक्त कहानियों का तात्त्विक विवेचन , प्रेमचन्द की कहानियों का  
कथ्य-वैविध्य ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ उपर्युक्त उपन्यास और कहानियों में से ससंदर्भ व्याख्या ।

(क) अथवा (क) , (ख) अथवा (ख) । अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घांतरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४



प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४

प्रश्न - ५ उपन्यास , कहानी-संग्रह और आत्मकथा में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी  
, जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी । अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. प्रेमचन्द और उनका युग - डॉ. रामविलास शर्मा , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली ।
२. गोदान - परिशीलन - संपादक- आ. निशांतकेतु , संजय प्रकाशन , दिल्ली ।
३. गोदान - संपादक - राजेश्वर गुरु , राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली ।
४. प्रेमचन्द - संपादक - सत्येन्द्र , राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली ।
५. प्रेमचन्द : एक साहित्यिक विवेचन - नन्ददुलारे वाजपेयी , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली ।

\*\*\*\*\*



**CORE COURSE**

# ગુજરાતી



*Hemchandracharya*  
I/c. Registrar  
Hemchandracharya  
North Gujarat University  
PATAN

M.A. SEMESTER- I : CORE COMPULSORY – PAPER : C.C.-101

પ્રશ્નપત્ર : પ્રશિષ્ટ કૃતિઓનો અભ્યાસ

એકમ-૧ : પ્રશિષ્ટ કૃતિની વિભાવના:

૧. પ્રશિષ્ટ કૃતિની વ્યાખ્યા અને તેની લાક્ષણિકતાઓ
૨. ભારતીય અને વિશ્વ સાહિત્યની પ્રશિષ્ટ કૃતિઓ
૩. ગુજરાતી સાહિત્યની પ્રશિષ્ટ કૃતિઓ (મધ્યકાલીન અને અર્વાચીન)

એકમ-૨ : પ્રશિષ્ટકૃતિ-૧ (મધ્યકાલીન)

નિયત કૃતિ : 'પ્રેમપચીસી'  
સંપાદક : ડો. નિરંજના વોરા  
પ્રકાશક : પાર્શ્વ પબ્લિકેશન, અમદાવાદ

કૃતિ સંદર્ભે સામાન્ય (જનરલ) પ્રશ્નો (આંતરિક વિકલ્પ સાથે)

એકમ-૩ : પ્રશિષ્ટકૃતિ-૨ (અર્વાચીન)

નિયત કૃતિ : 'અમૃતા'  
સંપાદક : રઘુવીર ચૌધરી  
પ્રકાશક : રંગદ્વાર પ્રકાશન, અમદાવાદ

એકમ-૪ : પ્રશિષ્ટકૃતિ-૧-૨ આધારિત ટૂંકનોંધો (ચારમાંથી બે)

એકમ-૫ : ઉપરોક્ત એકમ ૧ થી ૪ માંથી એક-એક એમ કુલ ચાર ટૂંકનોંધ પૂછવી. જેમાંથી વિદ્યાર્થીએ બે ટૂંકનોંધ લખવાની રહેશે.

સંદર્ભગ્રંથો: ૧. ગુજરાતી સાહિત્યકોશ (ભાગ-૧ થી ૩) , ગુ.સા.પરિષદ, અમદાવાદ

૨. ગુજરાતી સાહિત્યનો ઇતિહાસ (૧ થી ૬) , ગુ.સા.પરિષદ, અમદાવાદ

૩. નવલકથા : શિલ્પ અને સર્જન - ડૉ. ભરતકુમાર ઠાકર

૪. નવલકથા : સાહિત્યને સ્વરૂપ - સંપાદક : શિરીષ પંચાલ

૫. ગુજરાતી નવલકથા - રઘુવીર ચૌધરી, રાધેશ્યામ શર્મા

૬. ચંદ્રકાન્ત બક્ષીથી ફેરો - સુમન શાહ

૭. અમૃતાથી ધરાધામ (ભાગ-૧) સં . દ્રષ્ટિ પટેલ, સુનીતા ચૌધરી

૮. ગુજરાતી કથાવિશ્વ (નવલકથા) બાબુ દાવલપુરા , નરેશ વેદ

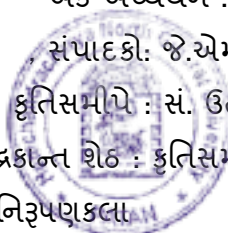
૯. વિશ્વનાથ જાની - એક અધ્યયન : મહેન્દ્ર દવે

૧૦. અધીત: પર્વ-૧ , સંપાદકો: જે.એમ.ચંદ્રવાડિયા અને અન્ય

૧૧. પ્રેમપચીસી : વિનોદ જોશી : કૃતિસમીપે : સં. ઉત્પલ પટેલ

૧૨. અમૃતા - ચંદ્રકાન્ત શેઠ : કૃતિસમીપે : સં. ઉત્પલ પટેલ

૧૩. ગુજરાતી નવલકથામાં પાત્રનિરૂપણકલા - રમેશ ર. દવે



I/c. Registrar  
Hemchandracharya  
North Gujarat University  
PATAN



M.A. SEMESTER- I : CORE COMPULSORY – PAPER : C.C.-102

પ્રશ્નપત્ર : સાહિત્યસ્વરૂપનો અભ્યાસ : નાટક

એકમ-૧ : (૧) નાટક : સંજ્ઞા , સ્વરૂપ અને લક્ષણો

(૨) નાટક અને એકાંકી , નવલકથા, ટૂંકીવાર્તા જેવાં સ્વરૂપો વચ્ચેના ભેદ-પ્રભેદ-સામ્યતા

એકમ-૨ : (૧) ગુજરાતી નાટકનો ઉદ્ભવ અને વિકાસ

(૨) સુધારક અને પંડિતયુગના મુખ્ય મુખ્ય નાટકસર્જકો અને રચનાઓ

(૩) ગાંધીયુગના મુખ્ય મુખ્ય નાટ્યસર્જકો અને નાટ્યસર્જનો

(૪) આધુનિક યુગના નાટ્યસર્જકો અને તેમના નાટ્યસર્જનોનો પરિચય

એકમ-૩ :

નિયત કૃતિ : 'અંગૂલિમાલ'

સંપાદક : સતીશ વ્યાસ

પ્રકાશક : પાર્શ્વ પ્રકાશન

કૃતિ સંદર્ભે સામાન્ય (જનરલ) પ્રશ્નો (આંતરિક વિકલ્પ સાથે)

એકમ-૪ : કૃતિ આધારિત ટૂંકનોંધો (ચારમાંથી બે)

એકમ-૫ : ઉપરોક્ત એકમ ૧ થી ૪ માંથી એક-એક એમ કુલ ચાર ટૂંકનોંધ પૂછવી. જેમાંથી વિદ્યાર્થીએ બે ટૂંકનોંધ લખવાની રહેશે.

સંદર્ભગ્રંથો:

૧. અર્વાચીન ગુ.સા.નો ઇતિહાસ – ધીરુભાઈ ઠાકર

૨. ગુ.સા.નો ઇતિહાસ ગ્રંથ-૩ – સં. ઉમાશંકર જોષી, ગુ.સા.પરિષદ વગેરે

૩. ગુ.સા.નો ઇતિહાસ ગ્રંથ-૪ – સં. ઉમાશંકર જોષી, ગુ.સા.પરિષદ વગેરે

૪. નાટક વિશે – જયંતિ દલાલ, શ્રી જયંતિ દલાલ સ્મૃતિ સમિતિ.

૫. નાટક વિશે – રમણલાલ યાજ્ઞિક, ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી

૬. નાટ્યકળા – ધીરુભાઈ ઠાકર, પોતે. પ્રથમ આવૃત્તિ-૧૯૮૫

૭. આધુનિક ગુજરાતી નાટકો અને અન્ય લેખો – રાજેન્દ્ર મહેતા અને અન્ય, તાદર્થ્ય- ઓક્ટો.- નવે. ૨૦૦૦

૮. નાટ્યસર્જક સતીશ વ્યાસ- સં. ચીમનભાઈ કોળી

૯. ગુજરાતી નાટક – સતીશ વ્યાસ

૧૦. ગુજરાતી નાટ્ય સાહિત્યનો ઉદ્ભવ અને વિકાસ : મહેશ ચોક્ષી

૧૧. બૃહદ નાટ્યલોક : જશવંત શેખડીવાળા



  
I/c. Registrar  
Hemchandracharya  
North Gujarat University  
PATAN

પ્રશ્નપત્ર : સાહિત્ય અને આધુનિકતા

એકમ-૧ : ૧. આધુનિકતા : સંજ્ઞા , વિભાવના અને લાક્ષણિકતાઓ

૨. આધુનિકતાના પ્રેરક-ઉદ્ભાવક પરિબલો (પાશ્ચાત્ય અને ગુજરાતી સાહિત્યના સંદર્ભમાં)

એકમ-૨ : આધુનિકતા અને વિવિધ વિચારધારાઓ

(૧) અસ્તિત્વવાદ (૩) અસંગતિવાદ

(૨) પ્રતીકવાદ (૪) અતિવાસ્તવવાદ

એકમ-૩ : ગુજરાતી સાહિત્યમાં આધુનિકતા :

(૧) ગુજરાતી નવલકથામાં આધુનિકતા (૨) ગુજરાતી ટૂંકીવાર્તામાં આધુનિકતા

(૩) ગુજરાતી કવિતામાં આધુનિકતા (૪) ગુજરાતી નાટકમાં આધુનિકતા

એકમ-૪ : નિયતકૃતિ : 'આધુનિક વાર્તા સૃષ્ટિ' (પસંદ કરેલી નવ વાર્તાઓ)

સંપાદક : મોહન પરમાર

સં.પ્રકાશક : પાર્શ્વ પ્રકાશન

અભ્યાસક્રમમાં નિયત વાર્તાઓ

(૧) રાક્ષસ (૬) ચોન્ટી

(૨) ચક્ષુઃશ્રવા (૭) સગી

(૩) કાલસર્પ (૮) ટુ થાઉઝન્ડ ટ્વેન્ટી (૨૦૨૦) લગી

(૪) પોટકું (૯) ફીફ્ટીવરી

(૫) ન કૌસમાં , ન કૌસ બહાર

એકમ-૫ : આ એકમમાં ઉપરોક્ત એકમ ૧ થી ૪ માંથી એક-એક એમ કુલ ચાર ટૂંકનોંધ પૂછાશે , જેમાંથી વિદ્યાર્થીએ બે ના ઉત્તર લખવાના રહેશે.

સંદર્ભગ્રંથો:

૧. સાહિત્યમાં આધુનિકતા : સુમનશાહ

૨. આધુનિકતાવાદ : પ્રમોદકુમાર પટેલ

૩. આધુનિકતા અને ગુજરાતી કવિતા : ભોળાભાઈ પટેલ

૪. આધુનિક કથાવિશ્વ (નવલકથા) સં. બાબુ દાવલપુરા, નરેશ વેદ

૫. આધુનિકતા : એક સંકુલ સંપ્રત્યય – બિપિન આશર

૬. સ્વાતંત્ર્યોત્તર એબ્સર્ડ નાટકો- ડૉ. દમયંતી પરમાર

૭. આધુનિક ગુજરાતી નાટક : પ્રત અને પ્રયોગો – મહેશ ચંપકલાલ : યુનિ. ગ્રંથ નિર્માણ બોર્ડ

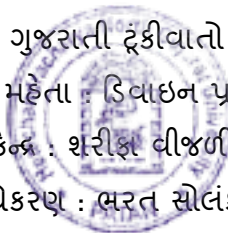
૮. આધુનિક કવિતામાં ભાષકર્મ : સતીશ વ્યાસ : પાર્શ્વ પ્રકાશન

૯. ટૂંકીવાર્તા અને ગુજરાતી ટૂંકીવાર્તા : જયંત કોઠારી : ગૂર્જર પ્રકાશન

૧૦. ચાર નવલકથાકારો : ભરત મહેતા : ડિવાઇન પ્રકાશન

૧૧. આધુનિક ટૂંકીવાર્તામાં કથનકેન્દ્ર : શરીફ વીજળીવાળા

૧૨. આધુનિક ટૂંકીવાર્તામાં સંનિધિકરણ : ભરત સોલંકી : પાર્શ્વ પ્રકાશન



I/c. Registrar  
Hemchandracharya  
North Gujarat University  
PATAN

પ્રશ્નપત્ર : લોકવિદ્યા અને લોકસાહિત્ય

એકમ-૧ : લોકવિદ્યા વિજ્ઞાન : સંજ્ઞા અને સંપ્રત્યય :

૧. લોકવિદ્યાની વિભાવના, સંજ્ઞા અને સ્વરૂપ

૨. લોકવિદ્યાનાં લક્ષણો

૩. લોકવિદ્યાનું વિભાગીકરણ

એકમ-૨ : ૧. લોકસાહિત્ય અને શિષ્ટસાહિત્યની તુલના

૨. લોકસાહિત્યનું સ્વરૂપગત વિભાગીકરણ

૩. લોકસાહિત્ય અને લોકભોગ્ય સાહિત્ય (ભજન, ભરથરીગીતો)

એકમ-૩ : ૧. લોકકથાના અભ્યાસની સમસ્યાઓ

૨. કથાગીતનાં લક્ષણો

૩. લોકકથા અને કથાગીતની તુલના

એકમ-૪ : ૧. લોકસાહિત્ય અને સમાજશાસ્ત્ર

૨. લોકસાહિત્ય અને નૃવંશશાસ્ત્ર

૩. લોકસાહિત્ય અને ઇતિહાસ

એકમ-૫ : ઉપરોક્ત એકમ ૧ થી ૪ માંથી એક-એક એમ કુલ ચાર ટૂંકનોંધ પૂછાશે , જે પૈકી વિદ્યાર્થીઓએ બે ના ઉત્તર આપવાના રહેશે.

સંદર્ભગ્રંથો: ૧. લોકવાર્મય: કનુભાઇ જાની, પ્ર. સૌ. યુનિ. રાજકોટ

૨. લોકવિદ્યા વિજ્ઞાન – ડૉ. હસુ યાજ્ઞિક, પ્ર. યુનિ.ગ્રંથ નિર્માણ બોર્ડ, અમદાવાદ

૩. લોકવિદ્યા અને લોકસાહિત્ય : નરેશ વેદ પ્ર. પાર્શ્વ પબ્લિકેશન્સ, અમદાવાદ

૪. લોકસાહિત્ય વિભાવના અને પ્રકાર – ડૉ. હસુ યાજ્ઞિક, પ્ર. પોતે, અમદાવાદ

૫. ગુજરાતી લોકસાહિત્ય વિમર્શ – ડૉ. બળવંત જાની, પ્ર. પાર્શ્વ પબ્લિકેશન્સ, અમદાવાદ

૬. લોકસાહિત્ય-આલોક : જશવંત શેખડીવાળા, પ્ર. પાર્શ્વ પબ્લિકેશન્સ, અમદાવાદ

૭. લોકસાહિત્ય ભણી – બિપિન આશર, પ્ર. પાર્શ્વ પબ્લિકેશન્સ, અમદાવાદ

૮. લોકસાહિત્ય અને સંબંધિત વિદ્યાશાખાઓ – ડૉ. પ્રશાંત પટેલ અને અન્ય

૯. લોકસંદર્ભ – ઉષા જ. મકવાણા, પ્ર. આદર્શ પ્રકાશન, અમદાવાદ

૧૦. Loksaहित्यविज्ञान : Do sTyeN<sup>9</sup>

૧૧. લોકસાહિત્યની વિરાસત – જોરાવરસિંહ જાદવ, પ્ર. પોતે, અમદાવાદ

૧૨. ગુજરાતની લોકસંસ્કૃતિ – ડૉ. હસુતાબેન સેહાણી, પ્ર. યુનિ. ગ્રંથ નિર્માણ બોર્ડ, અમદાવાદ



I/c. Registrar  
Hemchandracharya  
North Gujarat University  
PATAN

પ્રશ્નપત્ર : સાહિત્ય અને સિનેમા

એકમ-૧ : સાહિત્ય અને સિનેમા : પરિભાષા, આંતરસંબંધ અને ઇતિહાસ :

૧. સાહિત્ય અને સિનેમાની વિભાવના તથા બંને ક્ષેત્રોની પાયાની પરિભાષા
૨. ફિલ્મ નિર્માણની પ્રક્રિયાના ઘટકો
૩. સાહિત્ય અને સિનેમાના આંતરસંબંધોની વિલક્ષણતા
૪. સાહિત્ય આધારિત સિનેમાનો પ્રાથમિક ઇતિહાસ

એકમ-૨ : સાહિત્યકૃતિ આધારિત ફિલ્મ (ટૂંકીવાર્તા પરથી ફિલ્મ)

ગુજરાતી ટૂંકીવાર્તા : અભુ મકરાણી (યુનીલાલ મડિયા)  
કૃતિ આધારિત ફિલ્મ – ‘મિર્યમસાલા’ (કેતન મહેતા)

(નોંધ: અહીં સાહિત્ય અને ફિલ્મ કૃતિનો તુલનાત્મક અભ્યાસ અપેક્ષિત છે.)

એકમ-૩ : નવલકથા આધારિત ફિલ્મ :

ગુજરાતી નવલકથા : કંકુ (પન્નાલાલ પટેલ)

કૃતિ આધારિત ગુજરાતી ફિલ્મ : કંકુ (કાન્તિ રાઠોડ)

(નોંધ: અહીં સાહિત્ય અને ફિલ્મ કૃતિનો તુલનાત્મક અભ્યાસ અપેક્ષિત છે.)

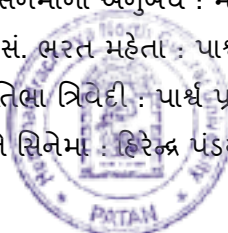
એકમ-૪ : બંને સાહિત્યકૃતિ –ફિલ્મકૃતિ આધારિત ટૂંકનોંધો:

જેમ કે , સાહિત્યકૃતિ-ફિલ્મકૃતિનો આરંભ, મધ્ય, અંત, પાત્રાલેખન, પાત્ર પસંદગી વગેરે.

એકમ-૫ : ઉપરોક્ત એકમોમાંથી એક-એક એમ કુલ ચાર ટૂંકનોંધ પૂછાશે , જે પૈકી વિદ્યાર્થીએ બેના જવાબ આપવાના રહેશે.

સંદર્ભગ્રંથો:

૧. રૂપ-અરૂપ- યુનીલાલ મડિયા
૨. મડિયાની શ્રેષ્ઠ નવલિકાઓ – યુનીલાલ મડિયા
૩. કંકુ – પન્નાલાલ પટેલ
૪. સિનેમા વિમર્શ – અમૃત ગંગર
૫. રૂપાંતર – અમૃત ગંગર
૬. જગતની શ્રેષ્ઠ ફિલ્મો – અભિજિત વ્યાસ
૭. સાહિત્ય ઔર સિનેમા – સી. ભાસ્કરરાવ
૮. સાહિત્ય અને સિનેમા – જય વસાવડા
૯. સાહિત્ય અને સિનેમા – મહિપતસિંહ રાઓલજી
૧૦. મીડિયા મેસેજ –સુમન શાહ
૧૧. ભારતીય સિનેમાનાં સો વર્ષ – હસમુખ થાનકી
૧૨. અભુ મકરાણીથી ‘મિર્યમસાલા’ - ભરત મહેતા : કૃતિસમીપે
૧૩. ‘કંકુ’ અને ‘કંકુ’: તરુણ બેન્કર : કૃતિ સમીપે : પાર્શ્વ પ્રકાશન
૧૪. સાહિત્ય અને સિનેમાનો અનુબંધ : મહિપત રાઓલજી : આદર્શ પ્રકાશન
૧૫. મિર્યમસાલા : સં. ભરત મહેતા : પાર્શ્વ પ્રકાશન
૧૬. ફિલ્માંતર : પ્રતિભા ત્રિવેદી : પાર્શ્વ પ્રકાશન
૧૭. નવલકથા અને સિનેમા : હિરેન્દ્ર પંડ્યા : પાર્શ્વ પ્રકાશન



  
I/c. Registrar  
Hemchandracharya  
North Gujarat University  
PATAN

**CORE COURSE**

# સમાજશાસ્ત્ર



*Hemchandracharya*  
I/c. Registrar  
Hemchandracharya  
North Gujarat University  
PATAN

**M.A.SEM. 1**  
**CORE COURSE**  
**SOCC -101**

**THEORETICAL PERSPECTIVES IN SOCIOLOGY**

**Objectives :**

This course is intended to introduce the students to the substantive, theoretical and methodological issues which have shaped the sociological thinking in the latter half of 20th century, and which continue to concern the practitioners of sociology, today. The main focus of this course will be on structure, functional & conflict theories and phenomenology, ethnomethodology. Acquaint the students with the concept of theory and relationship between theory and research.

**Outcome :**

Students will be able to understand social realities, develop sociological view point and appreciate theoretical perspective of Sociology.

**Course Outline :**

**UNIT-1 STRUCTURAL FUNCTION**

- Sociological Theory
- Meaning, Characteristics, functions nature
- S.F. Nadel-Problem of roll analysis,
- A.R.Radcliff Brown- The idea of social structure
- Relationship between theory and research

**UNIT-2 Functionalism**

- Functionalism : Intellectual roots.
- Talcott Parsons : Action System, AGIL Model, pattern variables.
- Robert Merton's Middle range theory & Codification of Functional analysis
- Functionalism : Major Criticisms

**UNIT-3 Interaction perspective**

- Social Action
  - Max Weber
  - Pareto
- Symbolic interaction
  - G.H.Mead
  - Blumer
- H.Garfinkel - Ethnomethodology

**UNIT-4 Conflict Theory**

- Karl Marx
- R.Dahrendorf
- L.Coser
- R.Collins



  
I/c. Registrar  
Hemchandracharya  
North Gujarat University  
PATAN

## Recommended Books

1. Alexander Jaffrey C: twenty lectures; Sociological theory since World war II Columbia University Press, New York,1987
2. Bottomore Tom: The Frankfurt School chelster, Sussex; Ellis Tavistock Publications, Harwood and London. 1984
3. Craib Ian:Modern Social theory;From Parsons to haberams, Harvester Press,London,1992.
4. Collins Randall : Sociological theory, Rawat Publication, Jaipur and New Delhi.1997.
5. Giddens Anthony : Central Problem in social theory; Action, Structure and contradictions in social analysis, MacMillan, London 1983.
6. Kuper Adam : Anthropologist and anthropology : The British School,1975.
7. Kuper Adam and Jessica Kuper : The Social science encyclopaedia, Rutledge, London and New York, 1996.
8. Ritzer Goerge : Sociological theory, McGraw-Hill, New York, 1992.
9. Sturrock John: Structuralism and since; From Levi Strauss to Derida, Oxford University Press, Oxford, 1979.
10. Turner Jonathan H.: The Structure of sociological theory, Rawat Publication,Jaipur and New Delhi.1995.
11. Zeitlin Irwing M.: Rethinking sociology : A critique of contemporary theory, Rawat publication, Jaipur and New Delhi, 1998
12. डॉ. मृदुला भटनागर :सामाजिक विचारक, रितु पब्लिकेशन्स,जयपुर,२०१०
13. डॉ एस.चन्द्रकुमार राय : प्रमुख समाजशास्त्रिय सिध्दांत, अर्जुन पब्लिशिंग हाउस,२०१०
14. डॉ.वाय.એ.પરમાર : ટાલ્કોટ પાર્સન્સ, ન્યુ પોપ્યુલર પ્રકાશન,સુરત ૨૦૦૪
15. ડૉ.વાય.એ.પરમાર :વિલ્ફ્રેડ પેરેટો, ન્યુ પોપ્યુલર પ્રકાશન,સુરત ૨૦૦૪
16. ડૉ.વાય.એ.પરમાર:સામાજિક ચિંતકોનો પરિચય,ન્યુ પોપ્યુલર પ્રકાશન,સુરત ૨૦૧૩
17. ડૉ.વાય.એ.પરમાર:સામાજિક ચિંતકોનો પરિચય ભાગ-૨, ન્યુ પોપ્યુલર પ્રકાશન,સુરત ૨૦૧૩
18. ડૉ.વાય.એ.પરમાર: સમાજશાસ્ત્રીય સિધ્ધાંત, યુનિ. ગ્રંથનિર્માણ બોર્ડ,અમદાવાદ



  
I/c. Registrar  
Hemchandracharya  
North Gujarat University  
PATAN



**M.A.SEM. I**

**CORE COURSE**

**SOCC -102**

**METHODS IN SOCIOLOGICAL RESEARCH**

**Objective**

To Impart knowledge to students regarding the fundamentals of methodology of social research.

To Develop a critical outlook at the existing perspectives and methods and to evolve concept clarity, which can lead them in their future research.

Teaching certain quantitative methods, statistical techniques and qualitative methods to collect and analyze the data would help them organize and analyze the information gathered by them.

Exposure to the fieldwork at the post.

**Outcome :**

Students will sensitivities towards scientific temper.

Students will learn appropriate techniques and methods for social research.

**Course Outline :**

**UNIT-1 History of Sociological Research**

- Imperialism - Augst Compt
- Positivism- Augst Compt
- Rationalism - Weber
- Phenomenology-A.Schultz
- Philosophical approach
- 

**UNIT-2 Techniques Of Data Collection**

- Observation
- Interview
- Questionnaires

**UNIT-3 Social Survey**

- Meaning
- Characteristics, Importance
- Objective
- Sampling
- Limitation
- Difference Between Social Survey and Research



  
I/c. Registrar  
Hemchandracharya  
North Gujarat University,  
PATAN

- Relation Between Social Survey and Research
- Indian Census, NSS (National Sample survey)

#### UNIT-4 Data analysis and Report writing

- Processing Data and Tabulation
- Application of Computer in Social Research-SPSS
- Research Article
- Synopsis
- Report Writing

#### Recommended Books

1. Brayman Alan: Quantity in Social Research; Unwin Hyman, London, 1988.
2. Denzin Norman K.: Handbook of Qualitative research, Sage publication, New Delhi, 1994.
3. Dwivedi R.S.: Research Method in Behavioural science, Macmillan India LTD., New Delhi, 1997.
4. Goode A .: Positivism and Sociology, Heinemann, London, 1974.
5. Hall David And Hall Irene: Practical Social Research Project work in the community, MacMillan Press Ltd. London, 1996
6. Irvine J.I. Miles and J. Evans: Demystifying Social Statistics, Pluto Press London, 1979.
7. Kothari C.R.: Research Methodology and Technique, Wishwa Prakashan, New Delhi, 1985.
8. Lewin Jack : Elementary static in Social Research, Harper and Row Publishers, New York, 1973
9. Marsh Caterence: Exploring Data , Polity Press, Cambridge, 1988.
10. Moser C.A. and Kalton C.: Survey Methods in Social Investigation; Heinemann, London, 1971
11. Seltiz C. and M. Jhoda: Research Methods in social Relations, Muthuen&Co.Ltd, U.S.A., 1965
12. Srinivas M.N and A.H.Shah: Field Worker and The Field , Oxford, New Delhi, 1979.
13. ડૉ.બચુભાઈ પવાર: સામાજિક સંશોધનનું પદ્ધતિશાસ્ત્ર, શબ્દ સાધના પ્રકાશન, જૂનાગઢ ગુજરાત



  
 I/c. Registrar  
 Hemchandracharya  
 North Gujarat University  
 PATAN

**M.A.SEM.I**  
**Core course**  
**SOCC - 103**  
**Gender and Society**

**Objectives**

To Introduce the students to the debate regarding role of biology and culture in the determining Gender roles.

To orient the students to the theories of Gender relations and to understand the position of Indian Women.

The course seeks to account students with theoretical understanding of gender sensitisation. It is also to get informed about the model of action for improvement of the status of women and to be aware of the diversity in values and problems of women from different part and states of India.

**Outcome :**

Students will Comprehend the status of women in India.

Students will have Understand the perspective of women's issues.

Students will have Obtain information about gender in reality.

**Course Outline :**

**Unit-1 Social Construction of Gender.**

- Concept of Gender, Gender VS sex Biology, Gender and Sexuality, Third Gender
- Women in Family
- Gender Socialization
- Sexual division of Labor
- Patriarchy as Ideology and practice.

**Unit-2 Theories of Gender Relations**

- Liberal
- Radical
- Socialist
- Feminist
- Marxism
- Post - modernist

**Unit-3 Feminist Movements**



  
I/c. Registrar  
Hemchandracharya  
North Gujarat University  
PATAN



**M.A.SEM I**

**Core course**

**SOCC - 104**

**Social Change in India**

**Objective :**

Social change has always been a central concern of sociological study. More recently, it has gained in greater salience partly because of its unprecedented rapidity and partly because of its planned character. Not surprisingly, development has emerged as a pronounced concern and as a remarkable feature of our times.

1. To Introduction of key concepts and Favoring factors of relating to social change
2. To address in particular the Indian experience of social change.

**Outcome :**

Students will have understand the change in society  
Students will have understand theory and process in India.

**Course Outline :**

**Unit-1 Social Change**

- Meaning
- Characteristics
- Types and factors of social change.
- Cultural change - Meaning and Characteristics.

**Unit-2 Theory of Social Change**

- Linear
- Circular Cyclical
- Trends of Change

**Unit-3 Process of Change**

- Sanskritization
- Westernization
- Modernization
- Secularism

**Unit-4 Social change in major Social Institutions**

- Caste
- Family
- Women
- Religion



  
I/c. Registrar  
Hemchandracharya  
North Gujarat University  
PATAN

**Recommended Books:**

1. Abraham M. F.: Modern Sociological Theory : An Introduction, New Delhi, 1990.
2. Agrawal B.: A Field of One's Own : Gender and Land Rights in South Asia, : Cambridge University Press, Cambridge. 1994
3. Appadurai Arjun: Modernity At Large; Cultural Dimensions of Globalization, New Delhi, 1997.
4. Dereze Jean and Amratya Sen: India; Economic Development and Social Opportunity, New Delhi, 1996.
5. Desai A. R.: India's Path of Development; a Marxist Approach, Bombay Popular Prakashan, 1985.
6. Giddens Anthony: "Global Problems and Ecological Crisis" in Introduction to Sociology, W.W. Norton & Co, New York, 1996.
7. Harrison D.: The Sociology of Modernization and Development, Sage publication, New Delhi, 1989.
8. Haq Mahbub Ul. : Reflections on Human Development. New Delhi, 1991.
9. Moor Wilbert and Rogert Cok: Social Change, Praetice-Hall, New Delhi, 1967.
10. Sharma S.L.: "Criteria of Social Development", Journal of Social Action. Jan-Mar. 1980.
11. Sharma S.L.: Development : Socio-Cultural Dimensions, Rawat, Jaipur : 1986.
12. Sharma S.L.: "Salience of Ethnicity in Modernization ; Evidence from India", Sociological Bulletin. Vol. 39, Nos. 1&2. 1994.
13. Srinivas M. N.: Social Change in Modern India, University of Berkley, Berkley, 1966.
14. ડૉ. નીરા દેસાઈ : ગુજરાતમાં ૧૯ મી સદીમાં સામાજિક પરિવર્તન, યુનિ.ગ્રંથ નિર્માણ બોર્ડ
15. એમ.એન.શ્રી નિવાસ : આધુનિક ભારતમાં સામાજિક પરિવર્તન યુનિ.ગ્રંથ નિર્માણ બોર્ડ
16. મધુસૂદન પારેખ – પુરષોત્તમ શાહ (અનુ.) આધુનિક ભારતમાં સામાજિક પરિવર્તન



**M.A.Sem.I**  
**Inter Disciplinary Courses**  
**SOIDC 105**  
**FAMILY WELFARE & COUNCELLING**  
**(Optional Paper)**

**Objective :**

The objective of this course is to sensitize to students to family and its impotence as a social institute. Another aim is to show to the students nature, function and techniques of counseling.

**Outcome :**

Students will have understand a family as a social institute  
Students will have understand techniques of counseling.

**Course Outline :**

**UNIT - I Introduction of Family**

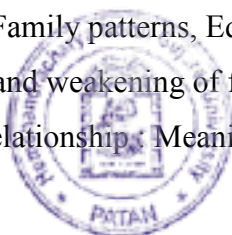
Characteristics and Importance of family,  
Functions of family,  
Family disorganization,  
Theroretical approaches to family  
Functional Approach-Parsons, Marxist approach

**UNIT - II Types Of Family**

Nuclear family, Joint family, Extended family,  
Break down of Joint family, Change in family system,  
Unit of Production, Industrial family, female headed family,  
Post industrial - home based,

**UNIT III Marital Disharmony**

Causes and remedies, Family Tension,  
Working mothers, Domestic violence, Breakdown of Marriage.  
Changing Family patterns, Equal Status of Women, Joint Mate  
Selection, and weakening of family norms.  
Live -in Relationship, Meaning and nature



*[Signature]*  
I/c. Registrar  
Hemchandracharya  
North Gujarat University  
PATAN

#### **UNIT IV      Counseling :**

Nature, Scope, Functions And Needs of Counseling

Approaches, Cognitive, Behaviorist,

Psychodynamic and Transpersonal.

Techniques of counseling .

Future of guidance and counseling.

Helpline for different groups

#### **Recommended Books :**

- Goode.William.J. The Family, Prentice Hall of India, New Delhi,1989.
- Ahuja, Indian Social system, Rawat publications,Jaipur, 1994.
- Kapadia, Marriage and Family in India, Oxford press, Delhi, 1988.
- Rodger, Family life and social control, A sociological perspective, Macmillan press, 1996.
- Sharma, A.S. Counselling Psychology, Common Wealth Publications, New Delhi, 1997.
- Desai, Tripta, Women in India, Munshiram Manoharll Pvt.Ltd, New Delhi,1997.
- Prabhu, Pandharinath, H. Hindu Social Organisation, Popular Prakashan, Bombay,2000.
- Manju Goel, Nirmala Sherjung, Marital Disputes and Counselling- Counselling Methodology, Vol.I, APH Publishing corporation, New Delhi,1997.
- Mamta Sehgal and Nirmala Sherjug, Marital Disputes and Counselling-Diagnostic Techniques,Vol.II, APH Publishing Corporation, New Delhi, 1997.
- Mamta Sehgal and Nirmala Sherjung, Marital Disputes and Counselling-Diagnostic Techniques, Vol.III, APH, Publishing Corporation, New Delhi, 1997.



  
I/c. Registrar  
Hemchandracharya  
North Gujarat University  
PATAN